

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 672वीं बैठक दिनांक 25/08/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
7. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. **Case No 8777/2021 Shri Vishwajeet Singh S/o Shri Mahipal Singh Baghel, M.G. Road, Sonkutchh, Dist. Dewas, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.75 ha. (50009 Cum per annum) (Khasra No. 762), Village - Arniya Jagir, Tehsil - Sonkatch, Dist. Dewas (MP).**

प्रकरण सेक की पूर्व 608वीं बैठक दिनांक 06/12/22 को पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशंसा सहित प्रकरण को सिया को प्रेषित किया गया था ।

सिया की 762वीं बैठक दिनांक 27/12/2022 को खनन योजना के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज के अनुसार खदान क्षेत्र के दोनों ओर पूर्व 24-25 मीटर व उत्तर दिशा में 12-10 मीटर पर पक्की सड़क तथा उत्तर दिशा में 85 मीटर पर आबादी परिलक्षित हो रही है एवं खदान भी पहाड़ पर है । माननीय एनजीटी के ओए नं. 304/2019 एवं सीपीसीबी के दिशा-निर्देश अनुसार खनन प्रक्रिया में नॉन ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम दूरी 100 मीटर और ब्लास्टिंग के लिए न्यूनतम 200 मीटर की दूरी के स्थानवार मापदण्ड तय है । उक्त निर्धारित दूरी 200 मीटर के मापदण्ड अनुसार उपरोक्त क्षेत्र की पर्यावरण संवेदनशीलता को देखते हुए तथा न्यूनतम खनन क्षेत्र उपलब्ध होने के कारण उक्त प्रकरण को निरस्त किया जाता है ।

उपरोक्त निर्णय के परिप्रेक्ष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा ई-मेल दिनांक 03/01/2023 के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने का अनुरोध किया है कि खदान के दोनों ओर जो पक्की सड़क है उसका निर्माण क्षेत्र के कलस्टर के सभी पट्टेदार द्वारा कच्ची सड़का को पक्का कर ग्रामीण मार्ग को गाँव तक डामरीकरण द्वारा पक्का किया गया है एवं उत्तर दिशा में 85 मीटर में जो आबादी है वह इस कलस्टर में कार्यरत मजदूरी के अस्थाई मकान एवं साईट ऑफिस है एवं इस खदान के खुलने से ग्रामीणों को रोजगार भी उपलब्ध होगा एवं कलस्टर में चल रही खदान संचालकों द्वारा कहा गया है कि यदि खदान चालू होती है तो इन अस्थाई मकानों को खदान के दूसरी ओर शिफ्ट कर दिया

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

जायेगा । अतः महोदय आपसे निवेदन है कि मेरे प्रकरण को एक बार पुनः अवलोकन परीक्षण हेतु रखा जाये एवं मुझे सभी साक्ष्य प्रस्तुत करने का एक मौका दिया जाये ।

परियोजना प्रस्तावक श्री विश्वजीत सिंह एवं उनके अधिकृत पर्यावरण सलाहकार श्री अंशुल यादव के साथ दिनांक 10/01/2023 को प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होकर उक्त प्रकरण के संबंध में बताया गया कि प्रकरण में खदान के दोनों ओर जो पक्की सड़क है, उसका निर्माण क्षेत्र के कलस्टर के सभी पट्टेदार द्वारा कच्ची सड़क को पक्का कर ग्रामीण मार्ग को गाँव तक डामरीकरण द्वारा पक्का किया गया है एवं उत्तर दिशा में 85 मीटर में जो आबादी है वह इस कलस्टर में कार्यरत मजदूरी के अस्थाई मकान एवं साईट ऑफिस है एवं इस खदान के खुलने के ग्रामीणों को रोजगार भी उपलब्ध होगा एवं कलस्टर में चल रही खदान संचालकों द्वारा कहा गया है कि यदि खदान चालू होती है तो इस अस्थाई मकानों को खदान के दूसरी ओर शिफ्ट कर दिया जायेगा एवं प्रस्तावित खदान में ब्लास्टिंग नहीं की जाने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है ।

प्रकरण में उपरोक्त तथ्यों को समिति समक्ष 635वीं बैठक दिनांक 08/04/23 को रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री विश्वजीत सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री राहुल यादव, (ऑनलाईन) मेसर्स अमलतास इवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम हरियाणा उपस्थित हुए ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान के दोनों ओर जो पक्की सड़क है, उसका निर्माण क्षेत्र के कलस्टर के सभी पट्टेदार द्वारा कच्ची सड़क को पक्का कर ग्रामीण मार्ग को गाँव तक डामरीकरण द्वारा पक्का किया गया है एवं उत्तर दिशा में 85 मीटर में जो आबादी है वह इस कलस्टर में कार्यरत मजदूरी के अस्थाई मकान एवं साईट ऑफिस है एवं यदि खदान चालू होती है तो इस अस्थाई मकानों को खदान के दूसरी ओर शिफ्ट कर दिया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक ने यह भी बताया कि आबादी के कारण प्रस्तावित खदान में ब्लास्टिंग नहीं की जाने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत दिया गया है तथा खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जावेगा ।

समिति ने पाया कि सेक की 608वीं बैठक दिनांक 06/12/22 में सभी पर्यावरणीय संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए प्रकरण का परीक्षण किया गया था, जिसके कार्यवाही विवरण में उल्लेखित है :—

“आवंटित खनन क्षेत्र के दक्षिण पूर्व क्षेत्र में 200 मीटर पर आबादी, पश्चिम क्षेत्र में भी 85 मीटर पर आबादी है, दक्षिण पूर्व दिशा में 130 मीटर पर पक्का रोड़ तथा पूर्व दिशा में 10 मीटर पर कच्चा रोड़ है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनके द्वारा पुनरीक्षित अपलोडेड ई.आई. ए. रिपोर्ट एवं खनन योजना में ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं की गई है तथा खनन हेतु जैक हैमर / रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जायेगा । इसी प्रकार पश्चिम क्षेत्र में भी 85 मीटर पर आबादी के कारण 15 मीटर का सेटबैक तथा पूर्व दिशा में 10 मीटर पर कच्चा रोड़ के कारण 7.5 मीटर के बेरियर जोन में सघन वृक्षारोपण किया जायेगा । इस हेतु ग्राम पंचायत, फावड़ा पत्र दिनांक 05/12/23 द्वारा प्रमाणित किया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि सेटबैक छोड़ने के बाद करीब 2.45 हे. क्षेत्र खनन हेतु उपलब्ध होगा जो 50,009 घन मीटर प्रति वर्ष के उत्पादन हेतु पर्याप्त है” ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

समिति ने पाया कि सेक की 608वीं बैठक दिनांक 06/12/22 में उपरोक्त तथ्यों पर विचार कर ही समिति ने पर्यावरणीय अभिस्वीकृति द्वारा अनुशंसा की गई थी तथा परियोजना प्रस्तावक ने आज प्रस्तुतीकरण के दौरान यह भी बताया कि आबादी के कारण प्रस्तावित खदान में ब्लास्टिंग नहीं की जाने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत दिया गया है तथा खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम से किया जावेगा एवं अस्थाई मकानों को खदान के दूसरी ओर शिफ्ट कर दिया जायेगा । अतः समिति द्वारा 608वीं बैठक दिनांक 06/12/22 में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा में अतिरिक्त शर्त "खनन कार्य रॉक ब्रेकर के माध्यम" एवं "अस्थाई मकानों को खदान के दूसरी ओर शिफ्ट" करने की शर्तों को शामिल करते हुए प्रकरण सिया को प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया ।

सिया की 788वीं बैठक दिनांक 19/05/23 को चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत निम्नानुसार निर्णय लिया गया – "सेक की उपरोक्त बैठक में निम्नानुसार अनुशंसा नहीं की गई है प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल इमेज अनुसार) इस क्षेत्र में पूर्व से पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है । अतः समिति की अनुशंसा है कि सिया के द्वारा यह परीक्षण कराया लिया जाये कि इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं तथा वे पर्यावरणीय अभिस्वीकृति का नियमानुसार छःमाही पालन प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर रहे अथवा नहीं ।"

सिया द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत यह पाया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला देवास के पत्र दिनांक 21/06/21 अनुसार प्रस्तावित खदान की 500 मीटर की परिधि में कार्यरत अन्य खदानों में परियोजना प्रस्तावक के पिता श्री महिपाल सिंह की भी खदान सम्मिलित है, जिसके द्वारा भी ई.सी. की शर्तों का परिपालन सुनिश्चित नहीं किया गया है । अतः प्रकरण को सेक को पुनः परीक्षण हेतु अग्रेषित किया गया है ।"

प्रकरण समिति 654वीं बैठक दिनांक 16/06/23 को समिति के समक्ष रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष अनुपस्थित रहे ।

आज प्रकरण समिति की 672वीं बैठक दिनांक 25/08/23 को प्रस्तुतीकरण में रखा गया ।

इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक एवं उनके सलाहकार ने बताया कि इस प्रकरण की पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति डिया से जारी हुई थी। समिति ने पाया कि डिया की ई.सी. शर्तों के अनुसार फेंसिंग, वृक्षारोपण एवं सी.ई.आर. संबंधी शर्तों का पालन होना चाहिये था । अतएव समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निम्न जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देशित दिया

- फेंसिंग के जिओटेग लैंडस्केप फोटोग्राफ्स,
- समाजिक कार्य की प्रमाणिक जानकारी
- डिया की ई.सी. शर्तों के अनुसार प्रमाणित पालन प्रतिवेदन

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

2. Case No 10175/2023 Shri NAGENDRA SINGH, OIC-MPSMCL (उपमहाप्रबंधक/ संभागीय कार्यालय टीकमगढ़, MP. Nagar sector no. 01 Sivani sadan Mukhtyarganj, Bihind Jhankar Takeej Gali no. 03, Raghurajanagar, Tikamgarh (M.P.) Prior Environment Clearance for Veerpura Sand Quarry in an area of 2.00 ha. (15600 cum per year) (Khasra No. 759), Village-Veerapura, Tehsil- Lidhora, District-Tikamgarh (MP))

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक नागेन्द्र सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गालियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री एस.जेड अली, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri NAGENDRA SINGH, OIC-MPSMCL (उपमहाप्रबंधक) संभागीय कार्यालय टीकमगढ़, Mp. Nagar sector no. 01 Sivani sadan Mukhtyarganj, Bihind Jhankar Takeej Gali no. 03, Raghurajanagar,	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	759 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	2.00 Ha,
स्थल	Village- Veerpura, Tehsil-Lidhora, District- Tikamgarh, (MP)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान सपरा नदी में स्थित है, तथा जिसका दक्षिणी भाग आंशिक रूप से पानी डूबा है एवं 323 मीटर पर दक्षिण दिशा में एक रपटा है। डूबा होने की वजह/ रपटा की वजह से सेटबैक छोड़ने के कारण 0.8 हे. क्षेत्र गैर खनन् क्षेत्र एवं 1.2 हे. में खनन् कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-15,600 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार रेत-15,600 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 15,600 रेत का पुनरभराव होगा ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4592 दिनांक 21/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4592 दिनांक 21/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4592 दिनांक 21/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, पक्का रास्ता/नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत वीरपुरा जिला खरगोन के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-6 दिनांक 10/06/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-40 के सरल क्रमांक-3 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-15,600 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 15,600 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-15,600 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 04.68 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.81 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.39 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए सरकारी प्राथमिक विद्यालय, जेवर के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी।	39,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी 2.0 से 2.5 फीट प्रति पौधा)	1902
		4-5 पंक्ति- कटंग बांस (दूरी 2.5 से 3.0 मीटर प्रति पौधा)	320
		6 पंक्ति-	96

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

		करंज, जामुन, कहवा, अर्जुन, एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ (दूरी 3.0 से 5.0 मीटर प्रति पौधा)	
2	ग्राम वीरपुरा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	52
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, अचार, बरगद, चिरोल, मौलश्री, पुत्र न्जिवा, नींबू, बेल एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	30
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पोषों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोषे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी ।			
योग			2400

3. Case No 10176/2023 Shri NAGENDRA SINGH, OIC-MPSMCL (उपमहाप्रबंधक) संभागीय कार्यालय टीकमगढ़, MP. Nagar sector no. 01 Sivani sadan Mukhtyarganj, Bihind Jhankar Takeej Gali no. 03, Raghurajanagar, Tikamgarh (M.P.) Prior Environment Clearance for Veerpura Sand Quarry in an area of 2.00 ha. (15600 cum per year) (Khasra No. 759), Village-Veerapura, Tehsil- Lidhora, District-Tikamgarh (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक नागेन्द्र सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गालियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री एस.जेड अली, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri NAGENDRA SINGH, OIC-MPSMCL (उपमहाप्रबंधक) संभागीय कार्यालय टीकमगढ़, Mp. Nagar sector no. 01 Sivani sadan Mukhtyarganj, Bihind Jhankar Takeej Gali no. 03, Raghurajanagar,	
खसरा नं./क्षेत्रफल	156 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	2.00 ha.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

स्थल	Village Mahewa Chak 4, Tehsil Palera, District Tikamgarh. (MP)
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान सपरार नदी में स्थित है, जिसमें खदान के अंदर गढढों में कही कही पानी भरा हुआ है। पानी डूबा होने की वजह से सेटबेक छोड़ने के कारण 0.80 हे. क्षेत्र गैर खनन् क्षेत्र एवं 1.20 हे. में खनन् कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-14,400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार रेत-14,400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 14,400 रेत का पुनरभराव होगा ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4588 दिनांक 21/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4588 दिनांक 21/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला टीकमगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 4588 दिनांक 21/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत महेवा चक-4 जिला टीकमगढ़ के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-10 दिनांक 05/06/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन् से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-40 के सरल क्रमांक-4 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-14,400 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 14,400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता रेत-14,400 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 05.62 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.00 लाख प्रति वर्ष ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए शासकीय हाई स्कूल, महेवा के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी	40,000

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1_3 पंक्ति खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी 2.0 से 2.5 फीट प्रति पौधा)	1902
		4-5 पंक्ति- कटंग बांस (दूरी 2.5 से 3.0 मीटर प्रति पौधा)	314
		6 पंक्ति- करंज, जामुन, कहवा, अर्जुन, एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ (दूरी 3.0 से 5.0 मीटर प्रति पौधा)	132
2	ग्राम महेवा चक- 4 के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	350
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, अचार, बरगद, चिरोल, मौलश्री, पुत्र न्जिवा, नींबू, बेल एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	50
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा। • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी			

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी।	
योग	2400

4. Case No 10192/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Sirsoda Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (48000 cum per year) (Khasra No. 01), Village Sirsoda, Tehsil Burhanpur, District Burhanpur (M.P.)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मिंगेक्स, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री सचिन वर्मा, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल	1 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	4.00 Ha.
स्थल	Village Sirsoda, Tehsil Burhanpur, District Burhanpur (M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग पत्र क्रमांक 711 दिनांक 17/02/23.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान ताप्ती नदी में स्थित है, जिसमें खदान के अंदर गढढो में कही कही पानी भरा हुआ है । पानी डूबा होने की वजह से सेटबेक छोड़ने के कारण 1.60 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 2.40 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 48,000 रेत का पुनरभराव होगा ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 08 दिनांक 03/01/23 अनुसार 1000 मीटर की परिधि में अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 08 दिनांक 03/01/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

अनापत्ति	क्रमांक 08 दिनांक 03/01/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्रामसभा/ग्राम पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र परियोजना प्रस्तावक द्वारा अपलोड नहीं किया गया है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-47 के सरल क्रमांक-1 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-48,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 48,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला बुरहानपुर द्वारा अपने पत्र क्र०. 823 दिनांक 23/08/23 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है, कि खनन योजना तथा अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्शित अंक्षाश/देशांस एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई का मिलान किये जाने पर भिन्नता पाई गई। रेत खदानों के अंक्षाश/देशांस एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई की संशोधित सूची पत्र के साथ संलग्न की गई है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा संशोधित अंक्षाश/देशांस के आधार पर प्रकरण को प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में उपस्थित जिला खनिज अधिकारी द्वारा उक्त संबंध में पुष्टि की गई ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-48,000 मी³ प्रति वर्ष ।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.33 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.80 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम सिरसोड़ा के शासकीय विद्यालय के अधो संरचना विकास के लिए पालक शिक्षक संग समिति में राशि जमा कराई जाएगी	1,00,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
-----	---	---------------------	---------------------

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

1	खदान क्षेत्र में नदी के किनारे पर 280 मीटर की लम्बाई पर 6 पंक्तियों में पौधा रोपण किया जायेगा	1_3 पंक्ति में खास, नागर मोथा, लेमन ग्रास, घटायन के बी ज एवं स्थानीय घास लगाई जाएगी	200
		4 - 5 पंक्ति में कटंग बांस लगाई जाएगी	150
		6 पंक्ति में करंज , जामुन, लसोड़ा, खमेर, कहवा, अर्जुन, शह तूत, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वर्ष एवं स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	100
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (4 50मी(के दोनों ओर 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	अचार, बरगद, चिरोल, नीम, पुत्रजीवा, कुसुम आम, अंजन,म हुआ, अन्य फलदार पौधे एवं स्थानीय प्रजातियां	250
3	गांव सिरसोड़ा के पंचायत भवन , पोस्टऑफिस, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय विद्यालय में पौधे लगाए जायेंगे	पीपल, चिरोल, करंज, खिरनी, अमलतास,बरगद,नीम, पीपल, चिरोल, अशोकस्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	2000
4	आसपास के गांवों में वितरित किया जाना (पौधे की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर(	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाये सीताफल, निम्बू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	2100
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषको को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी ।			
योग			4800

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

5. Case No 10261/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Sirsoda Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (48000 cum per year) (Khasra No. 386), Village Ratnapur, Tehsil Nepanagar, District Burhanpur (M.P.)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मिंगेक्स, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचालनालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री सचिन वर्मा, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)
खसरा नं./क्षेत्रफल	386(सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड) 4.00 ha.
स्थल	Village Ratnapur, Tehsil Nepanagar, District Burhanpur (M.P.)
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के पत्र क्रमांक 366 दिनांक 24/05/23 द्वारा स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान ताप्ती नदी में स्थित है, जिसका आंशिक भाग पानी डूबा होने की वजह से सेटबैक छोड़ने के कारण 2.31 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.69 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 09 दिनांक 03/01/23 अनुसार 1000 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 09 दिनांक 03/01/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 09 दिनांक 03/01/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव ऑनलाईन अपलोड नहीं है ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-47 के सरल क्रमांक-2 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-48,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 48,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
----------------------------------	---

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला बुरहानपुर द्वारा अपने पत्र क्र०. 823 दिनांक 23/08/23 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है, कि खनन योजना तथा अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्शित अंक्षाश/देशांस एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई का मिलान किये जाने पर भिन्नता पाई गई। रेत खदानों के अंक्षाश/देशांस एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई की संशोधित सूची पत्र के साथ संलग्न की गई है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा संशोधित अंक्षाश/देशांस के आधार पर प्रकरण को प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में उपस्थित जिला खनिज अधिकारी द्वारा उक्त संबंध में पुष्टि की गई।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-48,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 15.93 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.70 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम रतनापुर के शासकीय विद्यालय के अधो संरचना विकास के लिए पालक शिक्षक संग समिति में राशि जमा कराई जाएगी	1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	खदान क्षेत्र में नदी के किनारे पर 400 मीटर की लम्बाई पर 6 पंक्तियों में	1-3 पंक्ति में खास, नागर मोथा, लेमन ग्रास, घटायन के बीज एवं स्थानीय घास लगाई जाएगी	300
		4 - 5 पंक्ति में कटंग बांस लगाई जाएगी	200

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	पौधा रोपण किया जायेगा	6 पंक्ति में करंज , जामुन, लसोड़ा, खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वर्ष एवं स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	100
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (9 00मी(के दोनों ओर 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	अचार, बरगद, चिरोल, नीम, पुत्रजीवा, कुसुम आम, अंजन,म हुआ, अन्य फलदार पौधे एवं स्थानीय प्रजातियां	500
3	गांव रतनापुर के पंचायत भवन, पोस्टऑफिस, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय विद्यालय में पौधे लगाए जायेंगे	पीपल, चिरोल, करंज, खिरनी, अमलतास,बरगद,नीम, पीपल , चिरोल, अशोकस्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	1200
4	आसपास के गांवों में वितरित किया जाना (पौधे की उंचाई न्यूनतम 1 मीटर(	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाये सीताफल, निम्बू, बेल ए वं अन्य स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	2500
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषको को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी ।			
योग			4800

6. Case No 10193/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (48000 cum per year) (Khasra No. 335), Village Ramakheda, Tehsil Khaknar, District Burhanpur (M.P.)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मिनटेक्स, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचालनालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री सचिन वर्मा, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)
खसरा नं./क्षेत्रफल	335 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि) 4.00 Ha
स्थल	Village Ramakheda, Tehsil Khaknar, District Burhanpur (M.P.)
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग पत्र क्रमांक 711 दिनांक 17/02/23.
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान ताप्ती नदी में स्थित है, जिसका आंशिक भाग पानी डूबा होने की वजह से सेटबेक छोड़ने के कारण 2.03 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.97 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-48,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 48,000 रेत का पुनर्भराव होगा ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 10 दिनांक 03/01/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 10 दिनांक 03/01/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 10 दिनांक 03/01/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्रामसभा/ग्राम पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र परियोजना प्रस्तावक द्वारा अपलोड नहीं किया गया है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-47 के सरल क्रमांक-3 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-48,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 48,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला बुरहानपुर द्वारा अपने पत्र क्र. 823 दिनांक 23/08/23 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है, कि खनन योजना तथा अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्शित अंक्षांश/देशांश एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई का मिलान किये जाने पर भिन्नता पाई गई। रेत खदानों के अंक्षांश/देशांश एवं खदानों

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

की लंबाई-चौड़ाई की संशोधित सूची पत्र के साथ संलग्न की गई है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा संशोधित अंक्षांश/देशांश के आधार पर प्रकरण को प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में उपस्थित जिला खनिज अधिकारी द्वारा उक्त संबंध में पुष्टि की गई।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-48,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.77 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.80 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जायें :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम रामाखेड़ा के शासकीय विद्यालय के अधो संरचना विकास के लिए पालक शिक्षक संग समिति में राशि जमा कराई जाएगी	1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	खदान क्षेत्र में नदी के किनारे पर 250 मीटर की लम्बाई पर 6 पंक्तियों में पौधा रोपण किया जायेगा	1_3 पंक्ति में खास, नागर मोथा, लेमन ग्रास, घटायन के बीज एवं स्थानीय घास लगाई जाएगी	200
		4 - 5 पंक्ति में कटंग बांस लगाई जाएगी	150
		6 पंक्ति में करंज, जामुन, लसोड़ा, खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वर्ष एवं स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	50
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (20 00मी) के दोनों ओर 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	अचार, बरगद, चिरोल, नीम, पुत्रजीवा, कुसुम आम, अंजन, महुआ, अन्य फलदार पौधे एवं स्थानीय प्रजातियां	1000

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

3	गांव रामाखेड़ा के पंचायत भवनपोस्टऑफिस, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय विद्यालय में पौधे लगाए जायेंगे	पीपल, चिरोल, करंज, खिरनी, अमलतास, बरगद, नीम, पीपल, चिरोल, अशोकस्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	1500
4	आसपास के गांवों में वितरित किया जाना (पौधे की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	आम, हाइब्रिड बेर, आंवला, मुनगाये सीताफल, निम्बू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	2000
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा। • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी।			
योग			4800

7. Case No 9254/2022 Shri Rakesh Agrawal, Owner, G-I-1, Chouraha, Scheme No. 94, Dist. Indore, MP, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (50000 cum per annum) (Khasra No. 639, 645, 648) near Village - Khandwa, Tehsil - Pithampur, Dist. Dhar (M.P.)

प्रकरण में समिति की पूर्व की 583वीं बैठक दिनांक 30/06/2022 को पत्थर-50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु टॉर की अनुशंसा की गई थी। प्रकरण समिति की 652वीं बैठक दिनांक 14/06/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, परियोजना प्रस्तावक/उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

प्रकरण आज सेक की 652वीं बैठक दिनांक 14/06/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण दिशा में 360 मीटर, उत्तर दिशा में 170 मीटर तथा पश्चिम दिशा में 170 मीटर पर कच्चा रोड़ है, अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

करें। प्रश्नाधीन खदान में 03-04 पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गirth सहित फोटोग्राफ एवं ड्रोन विडियोग्राफी ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान के उत्तर-पूर्वी दिशा में 750 मीटर पर तालाब है, अतः इनकी संरक्षण योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये। खदान के गूगल इमेज के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2019 से उत्खनन कार्य किया जा रहा है। प्रकरण के साथ प्रस्तुत अनुमोदित खनन योजना एवं सरफेस मैप पर पिट का विवरण दर्ज नहीं किया गया है।

प्रकरण समिति की आज बैठक दिनांक 25/08/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु नियत है, जिसमें परियोजना श्री Shri Rakesh Agrawal एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मिनटेक कंसलटेंट, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 22 के सरल क्रमांक-55 पर दर्ज है।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के विषय पर जिला खनन कार्यालय के माध्यम से इनकी शर्तों के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है।

जनसुनवाई के प्रमुख बिंदु – ब्लास्टिंग में सावधानी, जल छिड़काव, टैंकरो से धूल की समस्या है, इत्यादि आपत्तियाँ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैंडर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन-50,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 32.23 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 05.55 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम खंडवा के शासकीय विद्यालय के अधो विकास के लिए पालक शिक्षक संग समिति में राशि जमा कराई जाएगी	1,50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	हरित पट्टी (0.8246 Ha. पर तीन लाइनों में वृक्षारोपण किया जायेगा)	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल ज लेबी, सिस्सु आदि।	750
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (1000 मीटर) के दोनों तरफ एक लाईन 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	500
3	प्रस्तावित खनन पट्टे के उत्तर दिशा में कच्ची सड़क पर 600 मीटर तक की लम्बाई पर सड़क के दोनों तरफ 2 लाइनों में पौधे लगाए जायेंगे	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	600
4	प्रस्तावित खनन पट्टे के दक्षिण दिशा में कच्ची सड़क पर 600 मीटर तक की लम्बाई पर सड़क के दोनों तरफ 2 लाइनों में पौधे लगाए जायेंगे	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	600
5	आस पास के ग्रामीण किसानों को पौधे वितरित किये जायेंगे	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, आदि	2350
गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना ।			
कुल			4800

8. Case No 10190/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Sand Quarry in an area of 5.00 ha. (60,000 cum per year) (Khasra No. 51, 96), Village Rehta, Tehsil Burhanpur, District Burhanpur (M.P.)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मिनटेक्स, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचालनालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री सचिन वर्मा, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

खसरा नं./क्षेत्रफल	51, 96 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	5.00 Ha.
स्थल	ग्राम Rehta तसहील Burhanpur जिला Burhanpur (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग पत्र क्रमांक 711 दिनांक 17/02/23.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान ताप्ती नदी के मियडर पर स्थित है एवं रोड ब्रिज – 435 मी. अपस्ट्रीम में है। जिसका अल्प भाग पानी डूबा / रोड ब्रिज होने के कारण जिसका अल्प भाग पानी डूबा होने की वजह से सेटबेक छोड़ने के कारण 2.30 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 2.70 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 60,000 रेत का पुनरभराव होगा ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 13 दिनांक 03/01/23 अनुसार 1000 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 13 दिनांक 03/01/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 13 दिनांक 03/01/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्रामसभा/ग्राम पंचायत की अनापत्ति प्रमाण पत्र परियोजना प्रस्तावक द्वारा अपलोड नहीं किया गया है ।	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-47 के सरल क्रमांक-6 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-60,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 60,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।	

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला बुरहानपुर द्वारा अपने पत्र क्र. 823 दिनांक 23/08/23 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है, कि खनन योजना तथा अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्शित अंक्षांश/देशांश एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई का मिलान किये जाने पर भिन्नता पाई गई। रेत खदानों के अंक्षांश/देशांश एवं खदानों की लंबाई-चौड़ाई की संशोधित सूची पत्र के साथ संलग्न की गई है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा संशोधित अंक्षांश/देशांश के आधार पर प्रकरण को प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में उपस्थित जिला खनिज अधिकारी द्वारा उक्त संबंध में पुष्टि की गई ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-60,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 10.13 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.80 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जायें :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम रेहटा के शासकीय विद्यालय के अधो संरचना विकास के लिए पालक शिक्षक संग समिति में राशि जमा कराई जाएगी	1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	खदान क्षेत्र में नदी के किनारे पर 400 मीटर की लम्बाई पर 6 पंक्तियों में पौधा रोपण किया जायेगा	1_3 पंक्ति में खास, नागर मोथा, लेमन ग्रास, घटायन के बीज एवं स्थानीय घास लगाई जाएगी	250
		4 - 5 पंक्ति में कटंग बांस लगाई जाएगी	100
		6 पंक्ति में करंज, जामुन, लसोड़ा, खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वर्ष एवं स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	50
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (30 मी) के दोनों ओर 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	अचार, बरगद, चिरोल, नीम, पुत्रजीवा, कुसुम आम, अंजन, महुआ, अन्य फलदार पौधे एवं स्थानीय प्रजातियां	200
3	गांव रेहटा के पंचायत भवन, पोस्टऑफिस, आंगनवाड़ी केंद्र एवं शासकीय विद्यालय में पौधे लगाए जायेंगे	पीपल, चिरोल, करंज, खिरनी, अमलतास, बरगद, नीम, पीपल, चिरोल, अशोक स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	1500

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

4	आसपास के गांवों में वितरित कि या जाना (पौधे की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाये सीताफल, निम्बू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां लगाई जाएगी	3900
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधारोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी ।			
योग			6000

9. Case No 10026/2023 Shri MRITUNJAY SINGH, PROPRIETOR, M/S JAI MAHAKAL CONSTRUCTION, Village Mohari Post Padarha, Tehsil Ajaygarh District Panna (M.P.) Prior Environment Clearance for Atarhai Flagstone , Boulder & M-Sand Quarry in an area of 1.00 ha. (Flagstone-1602, Boulder-1202, M-Sand-1001 cum per year) (Khasra No. 3838, 3839, 3843), Village-Atarhai, Tehsil-Shahnagar, District-Panna (MP)

प्रकरण समिति की पूर्व 664वीं बैठक दिनांक 28/07/23 को प्रस्तुतीकरण हुआ था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक को निम्न जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे :-

- बैरियर जोन में 05 से 06 स्थानों में स्वाईल प्रोफाईल का फोटोग्राफ के साथ पौधारोपण स्कीम ।
- खदान क्षेत्र में एम-सेण्ड प्लांट प्रस्तावित है। अतः जल स्रोत की जानकारी के साथ पानी प्रदाय संबंधी ग्राम पंचायत से स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण-पत्र ।
- फेसिंग कॉस्ट को जोड़ते हुये पुनरिक्षित ई.एम.पी.।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त जानकारी परिवेश पोर्टल पर दिनांक 09/08/23 को अपलोड कर दी गई है, जिसे समिति की आज दिनांक 25/08/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु नियत है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक मृत्युंजय सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता फ्लैग स्टोन-1602 मी³ प्रति वर्ष, बोल्डर-1202 मी³ प्रति वर्ष एवं एम-सेंड-1001 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.20 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.30 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम अतरहाई के शासकीय स्कूल में 01 कंप्यूटर एवं 01 प्रिंटर का वितरण किया जावेगा।	30,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	सागौन, काला सिरस, नीम खमेर, नीलगिरी सुबबूल एवं करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ। गड्डे का आकार 70×70×70 से.मी.	600
2	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, कचनार, करंज, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातीय। ट्री-गार्ड के साथ।	500
3	अतरहाई ग्राम वासियों में वितरण हेतु	आंवला, आम, मुनगा, कटहल, इमली, अमरुद, पपीता, नींबू, हर्षा, बहेडा, जामुन एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	100
गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना।			
			कुल 1200

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

10. Case No 10205/2023 Shri Gopal Singh, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Narmadapuram, (M.P.) , Prior Environment Clearance for Khapakhurd Sand Mine in an area of 4.00 ha. (67200 cum per year) (Khasra No. 89), Village-Khapa Khurd, Tehsil-Bankhedi, District-Narmadapuram (M.P.).

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री गोपाल सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri GOPAL SINGH, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Hoshangabad, (M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	89 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड) आवेदन में खसरा नं. का उल्लेख नहीं है अपितु लीज आर्डर खसरा नं. उल्लेख किया गया है ।	4.00 ha.
स्थल	ग्राम KHAPA KHURD तसहील Bankhedi जिला Narmadapuram (म.प्र.) (आवेदन में जिला होशंगाबाद उल्लेखित है जबकि लीज आर्डर अनुसार नर्मदापुरम उल्लेख किया है)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खदान दुधी नदी में स्थित है, जिसमें खदान के अंदर गढढों में कही कही पानी भरा हुआ है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1599 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1599 दिनांक 29/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1599 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत जुन्हैटा जिला नर्मदापुरम के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-6 दिनांक 08/06/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन से पंचायत कोई आपत्ति नहीं है परंतु खदान से वाहन निकालने के लिए कोई शासकीय रास्ता नहीं है, निजी कृषक की भूमि से जमीन में से रास्ता बनाकर वाहन निकाले जाते हैं, जो कि ग्राम के सदस्यों को आपत्ति है । वाहन निकालने के लिए ग्रामसभा असहमत है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये। साथ ही समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है। अतः समिति ने उपरोक्त संबंध में संबंधित जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अतिशीघ्र जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को सेक की पूर्व बैठकों में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्रस्तुत करे।

11. Case No 10202/2023 Shri Gopal Singh, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Narmadapuram, (M.P.) , Prior Environment Clearance for Sand Mine in an area of 4.00 ha. (67200 cum per year) (Khasra No. 32), Village- Sarra Kishore, Taluka- Pipariya, District- Narmadapuram (M.P.)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री गोपाल सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri GOPAL SINGH, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Hoshangabad, M.P	
खसरा नं./क्षेत्रफल	32(सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.00 ha.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

(सरकारी / निजी)		
स्थल	Village- Sarra Kishore, Taluka- Pipariya, District- Narmadapuram (M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1 / बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम / गूगल इमेज	यह खदान नर्मदा नदी में स्थित है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1586 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित / स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1586 दिनांक 29/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व / नेशनल पार्क / अभ्यारण्य / ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1586 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाइन / सार्वजनिक भवन / शमशान घाट / राष्ट्रीय राजमार्ग / संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय / तालाब / बांध / स्टॉप डैम / नहर / कच्चा / पक्का रास्ता / नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा / ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत सिवनी जिला होशंगाबाद के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-13 दिनांक 14/4/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन का प्रस्ताव पारित है ।	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है ।	

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये। साथ ही समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है। अतः समिति ने उपरोक्त संबंध में संबंधित जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अतिशीघ्र जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को सेक की पूर्व बैठकों में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्रस्तुत करे।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

12. Case No 10204/2023 Shri Gopal Singh, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Narmadapuram, (M.P.) Prior Environment Clearance for Kasdaraiyatwadi Sand Deposit in an area of 4.00 ha. (67200 cum per year) (Khasra No. 18), Village Kasdaraiyatwadi, Tehsil Itarsi, District Narmadapuram, Madhya Pradesh.

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री गोपाल सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri GOPAL SINGH, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Hoshangabad, (M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	18 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.00 ha.
स्थल	Village Kasdaraiyatwadi, Tehsil Itarsi, District Narmadapuram, Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खदान सुखतवा नदी में स्थित है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1574 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 309 दिनांक 12/05/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 309 दिनांक 12/05/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय स्थित है, शेष अन्य 500 मीटर की परिधि में नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत चौकीपुरा जिला नर्मदापुरम के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-5 दिनांक 08/06/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन का प्रस्ताव पारित ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये। साथ ही समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है। अतः समिति ने उपरोक्त संबंध में संबंधित जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अतिशीघ्र जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को सेक की पूर्व बैठकों में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्रस्तुत करे।

13. Case No 10180/2023 Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Berad Sand Mine in an area of 4.00 ha. (6,800 cum per year) (Khasra No. 239), Village - Berar, Tehsil- Biaora, District-Rajgarh (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारे मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ. प्र), उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री मुकेश कुमार, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज		
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Berad Sand Mine in an area of 4.00 ha. (6,800 cum per year) (Khasra No. 239), Village - Berar, Tehsil- Biaora, District-Rajgarh (MP) [432256]		
परियोजना का खसरा नं. / लीज क्षेत्रफल	239, ग्राम - बेराड़, तहसील - ब्यावरा, जिला - राजगढ़, (म.प्र.),	4.00 हेक्टेयर	शासकीय
परियोजना की	बी-2 श्रेणी,		

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

श्रेणी(बी-1/बी-2)	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान पार्वती नदी में स्थित है, जिसका अधिकांश भाग पानी डूबा हुआ है एवं खदान के उत्तर दिशा में 210 मीटर, 296 एव 311 मीटर स्टॉप डेम स्थित है । डूबा /स्टॉप डेम होने की वजह से सेटबैक छोड़ने के कारण 1.73 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 2.27 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत – 6,800 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत– 6,800 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
सैद्धान्तिक सहमति	पत्र क्र०. 397 दिनांक 26/05/2023.
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1525 दिनांक 01/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 4.00 हे० होता है, अतः प्रकरण बी. – 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1525 दिनांक 01/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1525 दिनांक 01/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, नाला इत्यादि स्थित नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत – निवारा, जिला – राजगढ़ के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 18 दिनांक 26/01/2019 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से ग्राम पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 60 के सरल क्रमांक – 29 पर दर्ज है। जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-9,600 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 6,800 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान संबंधित खनिज अधिकारी द्वारा बताया गया कि मार्च एवं अप्रैल माह में नदी में पानी नहीं रहता है जिससे रेत खनन की प्रस्तावित मात्रा उपलब्ध रहती है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता **रेत – 6,800 मी³ प्रति वर्ष**।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.47 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.19 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.22 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :—

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए प्राथमिक विद्यालय नागनखेड़ी के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी ।	22,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1_3पंक्ति खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी 2.0 से 2.5 फीट प्रति पौधा)	2499
		4-5 पंक्ति- कटंग बांस (दूरी 2.5 से 3.0 मीटर प्रति पौधा)	506
		6 पंक्ति- करंज, जामुन, कहवा, अर्जुन, एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ (दूरी 3.0 से 5.0 मीटर प्रति पौधा)	211
2	ग्राम बेराड के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1534
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, अचार, बरगद, चिरोल, मौलश्री, पुत्रन्जिवा, नींबू, बेल एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	50
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधारोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से			

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।	
योग	4800

14. Case No 10181/2023 Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Sayeedabad Sand Mine in an area of 4.00 ha. (9,600 cum per year) (Khasra No. 12), Village-Saidabag, Tehsil- Sarangpur, District-Rajgarh (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारे मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ. प्र.), उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री मुकेश कुमार, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज		
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Shashikant Tiwari, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Sayeedabad Sand Mine in an area of 4.00 ha. (9,600 cum per year) (Khasra No. 12), Village-Saidabag, Tehsil- Sarangpur, District-Rajgarh (MP) [432259]		
परियोजना का खसरा नं./लीज क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	12, ग्राम – सईदाबाद, तहसील – सारंगपुर, जिला – राजगढ़, (म.प्र.),	4.00 हेक्टेयर	शासकीय
परियोजना की श्रेणी(बी-1/बी-2)	बी-2 श्रेणी,		
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान काली सिंध नदी में स्थित है, जिसका अधिकांश भाग पानी डूबा हुआ है डूबा होने की वजह से सेटबैक छोड़ने के कारण 1.6 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 2.4 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है ।		
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत – 9,600 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत– 9,600 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।		
सैद्धान्तिक सहमति	पत्र क्र0. 885 दिनांक 23/05/2023.		

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

/ LOI details.	
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1526 दिनांक 07/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 4.00 हे० होता है, अतः प्रकरण बी. - 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1526 दिनांक 07/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला राजगढ़ के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1526 दिनांक 07/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, /नाला इत्यादि स्थित नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत— सईदाबाद, जिला — राजगढ़ के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 04 दिनांक 14/04/2015 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से ग्राम पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.— 58 के सरल क्रमांक — 18 पर दर्ज है। जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल— 9,600 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 9,600 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

प्रस्तुतीकरण के दौरान संबंधित खनिज अधिकारी द्वारा बताया गया कि मार्च एवं अप्रैल माह में नदी में पानी नहीं रहता है जिससे रेत खनन की प्रस्तावित मात्रा उपलब्ध रहती है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता **रेत** — 9,600 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.84 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.66 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए शासकीय मध्य विद्यालय, सारंगपुर के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी।	30,000

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1_3पंक्ति खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी 2.0 से 2.5 फीट प्रति पौधा)	2745
		4-5 पंक्ति- कटंग बांस (दूरी 2.5 से 3.0 मीटर प्रति पौधा)	556
		6 पंक्तिकरंज, जामुन, कहवा, अर्जुन, एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ (दूरी 3.0 से 5.0 मीटर प्रति पौधा)	231
2	ग्राम सईदाबाद के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1218
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, अचार, बरगद, चिरोल, मौलश्री, पुत्र न्जिवा, नींबू , बेल एवं अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	50
✓ वृक्षों का रोपण एवं 5 साल तक पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी ।			
योग			4800

15. Case No 10207/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Rahedkot Sand Quarry in an area of 4.665 ha. (1400 cum per year) (Khasra No. 2/16, 2/17, 2/14), Village-Rahadkot, Tehsil-Thikri, District-Barwani (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री शांति लाल निनामा, खनिज निरीक्षक के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	2/16, 2/17 & 2/14 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.665 Ha.
स्थल	ग्राम Rahadkot तसहील Thikri जिला Barwani (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के पत्र क्रमांक 366 दिनांक 24/05/23 द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खोदू-भरू खदान नर्मदा एवं बोराड नदी में स्थित है। खदान की नर्मदा नदी से खदान की दूरी 175 मीटर एवं बोराड नदी से 195 मीटर की दूरी पर है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-1400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार 1400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1079 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1079 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1079 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक ने समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान ग्रामसभा ठहराव प्रस्ताव प्रस्तुत करने का वचन दिया है ।	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-38 के सरल क्रमांक – 18	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेशियल-7000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 1400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।
--	--

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर खदान क्षेत्र का एक पार्ट अपलोड किया गया है जबकि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान दर्शाया गया खदान क्षेत्र को तीन भागों में दिखाया गया है। अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को खदान वास्तविक के.एम.एल. पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये।

16. Case No 10208/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Palsud Naveen Sand Deposit in an area of 4.00 ha. (1200 cum per year) (Khasra No. 1007), Village-Palsud, Tehsil-Rajpur, District-Barwani (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ० शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री शांति लाल निनामा, खनिज निरीक्षक के साथ उपस्थित रहे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	1007 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.00 ha.
स्थल	ग्राम PALSUD तसहील Rajpur जिला Barwani (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के पत्र क्रमांक 366 दिनांक 24/05/23 द्वारा स्वीकृत।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खदान गोई नदी में स्थित है, जिसका आंशिक भाग पानी में डूबा हुआ है एवं पक्का रोड ब्रिज एस.एच.-39 15 मी. की दूरी पर है, तथ 02 नाले दक्षिण दिशा से आकर खदान में मिल रहे हैं।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-1200 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-1200 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1089 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1089 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1089 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	नगर परिषद् पलसूद जिला बड़वानी के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 2369 दिनांक 11/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन से निकाय को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Felling - Additional tree to be planted -
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 सरल क्रमांक - 06 दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-1200 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-1200 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये।

17. Case No 10189/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Dondwada Sand Deposit in an area of 5.00 ha. (12500 cum per year) (Khasra No. 705), Village-Dondwara, Tehsil- Niwali, District-Barwani (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ० शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री शांति लाल निनामा, खनिज निरीक्षक के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
----------------	---

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Authorized Signatory, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	705(सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	5.00 Ha.
स्थल	ग्राम Dondwara तसहील Niwali जिला Barwani (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान गोई नदी में स्थित है, जिसका अल्प भाग पानी में डूबा हुआ है एवं 196 मी. की दूरी पर एक रपटा है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-12,500 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-12,500 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 12,500 रेत का पुनर्भराव होगा ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1055 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1055 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1055 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	दि म.प्र. स्टेट माईनिंग कॉर्पोरेशन, भोपाल के पत्र दिनांक 11/07/23 के द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान ग्रामसभा ठहराव प्रस्ताव प्रस्तुत के समय प्रस्तुत करने का लेख है ।	
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Felling - Additional tree to be planted -	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 के सरल क्रमांक-1 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-12,744 घनमीटर उल्लेखित है,	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 12,500 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
--	---

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये।

18. Case No 10194/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Nisarpur Sand Deposit in an area of 3.205 ha. (500 cum per year) (Khasra No. 190), Village-Nisarpur, Tehsil-Pansemal, District-Barwani (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री शांति लाल निनामा, खनिज निरीक्षक के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	190 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	3.205 hectares
स्थल	ग्राम Nisarpur तसहील Pansemal जिला Barwani (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के पत्र क्रमांक 366 दिनांक 24/05/23 द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खदान गोमी नदी में स्थित है, खदान को उत्तर-पूर्वी ओर से एस. एच. -36 पर निर्मित रोड ब्रिज खदान को कास कर रहा है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-500 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-500 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1073 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1073 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1073 दिनांक 27/06/23 अनुसार मानव बसाहट एवं शैक्षणिक संस्था है, शेष अन्य 500 मीटर की परिधि में नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक ने पत्र दिनांक 11/07/23 अनुसार सेक में प्रस्तुतीकरण के दौरान ग्रामसभा ठहराव प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-38 के सरल क्रमांक-20 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल- 500 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 500 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश (खदान क्षेत्र के आक्षांश देशांस की संख्या बढ़ाते हुए) एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये।

19. Case No 10209/2023 Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Khajuri Naveen Sand Deposit in an area of 1.344 ha. (600 cum per year) (Khasra No. 01), Village-Khajuri, Tehsil-Rajpur, District-Barwani (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री राजीव सक्सेना एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ० शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री शांति लाल निनामा, खनिज निरीक्षक के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJEEV SAXENA, Deputy General Manager, Paryavas Bhawan, Block No. A, 2nd Floor, Arera Hills Bhopal (MP)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	01 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	1.344 ha.
स्थल	ग्राम Khajuri तहसील Rajpur जिला Barwani (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के पत्र क्रमांक 366 दिनांक 24/05/23 द्वारा स्वीकृत ।	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज	यह खदान डेब नदी में स्थित है, खदान से 153 मी. की दूरी पर है एवं 01 नाला पूर्व दिशा से आकर खदान क्षेत्र में मिल रहा है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-600 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-600 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1091 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1091 दिनांक 27/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बड़वानी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1091 दिनांक 27/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में आबादी, मा.शाला भवन, आँगनवाड़ी भवन, प्रा. शाला भवन एवं संत सिंगाजी मंदिर है, शेष अन्य नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत खजुरी जिला बड़वानी के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 01/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन का प्रस्ताव पारित।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Felling - Additional tree to be planted -
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 के सरल क्रमांक-10 दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-605 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 600 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश (खदान क्षेत्र के आक्षांश देशांश की संख्या बढ़ाते हुए) एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

20. Case No 10203/2023 Shri Gopal Singh, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Narmadapuram, (M.P.) Prior Environment Clearance for Kamti Sand Deposit in an area of 5.00 ha. (84000 cum per year) (Khasra No. 332), Village-Kamti, Tehsil-Bankhedi, District- Narmadapuram (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 25/08/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री गोपाल सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार डॉ०. शशांक शेखर मिश्रा, मेसर्स इको कंसल्टेंट सर्विसेस, लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri GOPAL SINGH, Junior Manager (Field), Ward no. 16, opp. Jalalabad bank colony, Babai road, Hoshangabad, M.P	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	332 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	5.00 ha.
स्थल	Village- Kamti, Tehsil- Bankhedi, District- Narmadapuram, M .P.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान दुधी नदी में स्थित है, जिसका अल्प भाग पानी डूबा होने की वजह से सेटबैक छोड़ने के कारण है. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं ... है. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-84,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-84,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1598 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1598 दिनांक 29/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला नर्मदापुरम के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1598 दिनांक 29/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में	

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

	मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत कामती जिला नर्मदापुरम के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-6 दिनांक 08/06/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन से पंचायत सहमत है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-68 के सरल क्रमांक-37 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-84,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 84,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये। साथ ही समिति ने यह भी पाया कि नर्मदापुरम जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खनिज अधिकारी संशोधन किया जा रहा है। अतः समिति ने उपरोक्त संबंध में संबंधित जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अतिशीघ्र जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को सेक की पूर्व बैठकों में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्रस्तुत करें।

21. Case No 8867/2021 Shri Vishnu Singh, Owner, 22, Dhar Road, Jawahar Tekri, Sinhasa, Dist. Indore, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (ROM - 21052 Cum per annum, Stone - 20000 Cum per annum, Murrum as overburden - 1052 Cum per annum) (Khasra No. 62/1/2/1), Village - Rangwasa, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP) Consultant Shri Amit Saxena Apex Mintech Udaypur (Raj.)

प्रकरण में समिति की पूर्व की 540वीं बैठक दिनांक 08/01/2022 को पत्थर-20,000 घनमीटर/वर्ष एवं मुरुम एज ओवरबर्डन-1052 घनमीटर/वर्ष हेतु टॉर की अनुशंसा की गई थी ।

प्रकरण समिति की 656वीं बैठक दिनांक 23/06/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ।

प्रकरण समिति की आज बैठक दिनांक 25/08/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु नियत है, जिसमें परियोजना श्री विष्णु सिंग एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, मेसर्स अपेक्स मितेक कंसलटेंट, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-55 के सरल क्रमांक-17 पर दर्ज है ।

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

गूगल इमेज के अनुसार खदान का पूर्वी एवं पश्चिमी भाग खुदा हुआ है। कुछ टैंक जैसी संरचना स्थित है। खदान के उत्तर-पश्चिम दिशा में—86 मी. की दूरी पर एक कच्ची रोड़ है एवं खदान के अंदर कुछ पेड़ स्थित है। जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि 09 पेड़ लगे हैं जिसमें से 09 पेड़ काटा जायेगा तथा उसके एवज में 90 अतिरिक्त पेड़ जायेगे।

जनसुनवाई के प्रमुख बिंदु – रोजगार, धमाकों की आवाज की उचित व्यवस्था, मजदूरों के बच्चों पढ़ाई, लिखाई की व्यवस्था, कच्चे रास्तों को पक्का करना, वृक्षारोपण एवं सरकारी स्कूलों में झूले एवं लाइब्रेरी की व्यवस्था की जावेँ इत्यादि आपत्तियों/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस. आर में बजट के साथ शामिल किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 20,000 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम एवं ओव्हरवर्डन—1052 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कंपीटल राशि रु. 77.32 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 05.90 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 3.0 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
रंगवासा ग्राम को जाने वाली सड़क का रखरखाव किया जाएगा	1,32,000
रंगवासा ग्राम में सोलर लाइट लगायी जाएगी पर सोलर लाइट की कीमत 8000/-	48000
रंगवासा ग्राम के ग्रामीणों के पीने के पानी हेतु पनघट का निर्माण किया जाएगा।	70,000
रंगवासा ग्राम के भासकीय विद्यालय के छात्रों हेतु पों ाक एवं मनोरंजन हेतु खेल सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी	50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	हरित पट्टी (7.50 मीटर बेरियर जोन में 0.7100 Ha. पर तीन लाइनों में वृक्षारोपण किया जायेगा)	नीम, पीपल, करंज, चिरोल, जंगल जलेबी, सिस्सु आदि।	900
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (800 मीटर) के दोनों तरफ 2	नीम, पीपल, कचनार, करंज,	800

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

	लाईन में 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गाईड के साथ में	कदम, चिरोल, आदि	
	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड से खनिज परिवहन सड़क पर (400 मीटर) के दोनों तरफ 1 लाईन में 4 फीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गाईड के साथ में	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, आदि	200
	आस पास के ग्रामीण किसानों को पौधे वितरित किये जायेंगे	आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	2900
गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना।			
कुल			4800

22. Case No 9876/2023 CE, NVDA Lower Narmada Projects, Narmada Bhavan, B-G, Scheme No. 74-C, Vijay Nagar Indore (MP) Prior Environment Clearance for Kukshi Micro Lift Irrigation Project has been conceived to cater irrigation water to about 75,000 Ha. of CCA in Dhar district. Total 96 villages of Kukshi Tehsil, 79 village of Tehsil Gandhwani,, District-Dhar (MP).

This is a Micro Lift Irrigation Project involving > 10,000 ha. of culturable command area falls under category "B" and have been mentioned at SN. 1(c) column B of Schedule of EIA Notification, hence such projects are required to obtain prior EC from the SEIAA.

This is case of Prior Environment Clearance for Kukshi Micro Lift Irrigation Project in an area of 75,000 ha.(CCA) at 86 villages of Kukshi Tehsil & 79 villages of Gandhwani Tehsil of Dhar District (MP).

The case was presented by the Mr. Ravinder Bhatia, Env. Consultant from M/s. R. S. Envirolink Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon (Haryana) along with PP Shri R. S. Mandloi, Executive Engineer, NVDA, Dhar. After Presentation ToR was recommended in the SEAC 646th Meeting dated 16th May 2023.

PP has applied for Ammendment in ToR for which PP has applied requisite form -3 . Hence, this case was scheduled in the 672 meeting on dated 25.08.2023.

The case was presented by the Mr. Ravinder Bhatia, Env. Consultant from M/s. R. S. Envirolink Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon (Haryana) along with PP Shri R. S. Mandloi, Executive Engineer, NVDA, Dhar. During presentation PP was submitted that after conducting detailed survey and investigation, total land requirement for the proposed project has changed from 40.15 ha. to 251.69 ha. . PP further stated that forest area has also increased earlier it was involved 33.90 ha. now increased upto approx. 220 ha. for which F.C. clearance shall also obtained.

The Committee observed that during presentation PP / Env. Consultant was not able to shown forest area on the Google earth /map, hence committee was not able to reach any conclusion in this regard. After deliberation the committee asked PP to submit revised map showing complete revised project area passing including forest area . The committte also asked PP to aware them regarding status of EC compliance of last 2 years with credible evidence.

23. Case No 9808/2023 M.P. Water resources Department, O/o Engineer-in-Chief, Jal sansadhan Bhawan, Tulsi Nagar, Bhopal (MP)-462003, Prior Environment Clearance for Hot Pipaliya Micro Lift Irrigation Project [under River Valley and Hydroelectric Projects] in an area of 129903 ha. at Villages of Dewas, Bagli & Kannod Tehsil of Dewas District and Barwaha Tehsil of Khargone District (MP)

This is case of Prior Environment Clearance for Hot Pipaliya Micro Lift Irrigation Project [under River Valley and Hydroelectric Projects] in an area of 129903 ha. at Villages of Dewas, Bagli & Kannod Tehsil of Dewas District and Barwaha Tehsil of Khargone District (MP)

The case was presented by the Mr. Ravinder Bhatia, (Online) Env. Consultant from M/s. R. S. Envirolink Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon (Haryana) along with PP Shri L.S. Jadone, Executive Engineer, WRD, Dewas (MP) . After Presentation ToR was recommended in the SEAC 638th Meeting dated 18th April 2023.

The case was presented by the Mr. Ravinder Bhatia, Env. Consultant from M/s. R. S. Envirolink Technologies Pvt. Ltd, Gurgaon (Haryana) along with PP Shri L.S. Jadone, Executive Engineer, WRD, Dewas (MP). During presentation PP was submitted that after conducting detailed survey and investigation, total land requirement for the proposed project has changed from 658 ha. to 1419.35 ha. . PP further stated that forest area has also

increased earlier it was involved 264.0 ha. now increased upto 697.58 ha. for which F.C. clearance shall also obtained. All the other project features will remain unchanged

The Committee observed that during presentation PP / Env. Consultant was not able to shown forest area on the Google earth /map, hence committee was not able to reach any conclusion in this regard. After deliberation the committee asked PP to submit revised map showing complete revised project area passing including forest area . The committee also asked PP to aware them regarding status of EC compliance of last 2 years with credible evidence.

निम्नानुसार उल्लेखित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट खनिज अधिकारियों द्वारा आज की बैठक के दौरान प्रस्तुत की गयी चूँकि यह जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट एजेण्डा में सूचीबद्ध नहीं थी किंतु संबंधित खनिज अधिकारियों/निरीक्षकों के अनुरोध पर माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रस्तुतीकरण की अनुमति प्रदान की गई :-

1. विदिशा (रेत खनिज)

आज दिनांक 24/08/23 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री एम. एस. रावत, खनिज अधिकारी उपस्थित रहे । खनिज अधिकारी ने बताया कि खनन योजना अक्षांश-देशांश में आंशिक संशोधन पाये जाने पर संशोधन हेतु लेख किया गया था । कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा द्वारा पत्र क्रमांक 1397 दिनांक 24/08/23 द्वारा प्रस्तुत अद्यतन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, जिसमें 04 खदान (दनवास, जीरापुर, बैरागढ़, आमखेड़ा सुखा) रेत खदानों के अक्षांश-देशांश में आंशिक संशोधन होना पाया गया है तथा कैट में खदानों की संख्या, खसरा नं., रकबा में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और नह ही कैट में खनिज मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं है ।

अतः समिति की अनुशंसा है कि विदिशा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये ।

2. रेत खनिज – बुरहानपुर

आज दिनांक 24/08/23 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री महेन्द्र पटेल एवं श्री सचिन वर्मा, खनिज अधिकारी उपस्थित रहे । खनिज अधिकारी ने बताया कि खनन योजना

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

तथा अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दर्शित अक्षांश-देशांश तथा खदानों की लम्बाई तथा चौड़ाई के मिलान करने पर भिन्नता पाई गई है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर द्वारा पत्र क्रमांक 823 दिनांक 23/08/23 द्वारा रेत खदानों के अक्षांश-देशांश एवं खदानों की लम्बाई चौड़ाई को संशोधित कर अद्यतन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को प्रस्तुत की गई।

अतः समिति की अनुशंसा है कि बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

3. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट नर्मदापुरम (संशोधित रेत खदान) :

आज दिनांक 25/08/23 समिति के समक्ष श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी, नर्मदापुरम द्वारा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पुनः प्रस्तुत की गई।

समिति द्वारा पूर्व जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, नर्मदापुरम में संशोधन हेतु सेक की पूर्व 668वीं बैठक दिनांक 09/08/2023 को श्री देवेश मरकाम, खनिज अधिकारी, नर्मदापुरम ने जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के साथ मान्. एनजीटी का आदेश की प्रति से भी समिति का अवगत कराया गया था। परीक्षण उपरांत समिति ने जिला खनिज अधिकारी, नर्मदापुरम को मा. एनजीटी के आदेश का अध्ययन कर उसके अनुरूप कार्यवाही की जाकर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

समिति ने 04-05 प्रकरणों के परीक्षण करने पर पाया गया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में दिये गये अक्षांश-देशांश खनन योजना में दर्शाये गये मानचित्र के अनुरूप नहीं पाये गये। सम्पूर्ण नक्शे में परिवर्तित होना पाया गया। अतएव संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों को प्रस्तुत किया जाये। अतः समिति ने उपरोक्त संबंध में संबंधित जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि संशोधित अक्षांश-देशांश एवं उन पर आधारित नक्शों के अद्यतन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट समिति नियत आगामी बैठक में प्रस्तुत करें ताकि रेत प्रकरणों के परीक्षण में अनावश्यक विलम्ब न हो।

(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora, fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - j. Minable Potential of sand mine.
 - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - l. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- ‘C’

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - p. Minable Potential of sand mine.
 - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023

tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. The monitoring of the compliance of the conditions incorporated in the Environmental Clearance issued prior to the State Mining Corporation shall be carried out through the District mining office at District level and compliances be communicated to SEIAA within 06 months.
37. Riparian habitat including vegetative cover on and adjacent to the river bank controls erosion, provide nutrient inputs into the stream and prevent intrusion of pollutants in the stream through runoff. Bank erosion and change of morphology of the river can destroy the riparian vegetative cover should be protected.
38. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to start of mining.
39. The State Mining Corporation shall constitute an Environmental Cell including minimum of three persons qualified in the field to ensure the compliance of EC conditions.
40. The State Mining Corporation shall ensure the compliance of the different provision made in the Sand Mining Management Guidelines-2016 & Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020, with Special reference to the para 4.3 and para-8 at page no. 45 of the said Guidelines.
41. Sand and gravel shall not be allowed to be extracted where erosion may occur, such as at the concave bank.
42. The slope of mining area adjacent to agricultural fields should be proper (preferably 45 degree) and adequate gap (minimum 10 feet) be left from adjacement agricultural field to avoid erosion and scouning.
43. In sand mining over other areas apart from river bed replenishment study in the said area be carriedout every year by Mining Officer and subject to availability of sand quantity mining should allowed by Mining Officer during EC period as Sand replacement in such areas are subject to certain conditions and not a regular feature.
44. The top soil in Khodu-Bharu Sand mine shall be stored separately and shall be used for agriculture field only; it should not be washed away during sand washing process.

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

- to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area” with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under “Ujjwala Yojna .
 30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
 31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon’ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
 32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon’ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
 33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
 34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
 35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle’s health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under “Ujjwala Yojna” to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP’s commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
 36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
 - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 25 अगस्त 2023

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्विंग जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ों के चारों ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ऑगनवाडी/पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणों के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिंग/ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जाये ।
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

नोट – 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास बीजप्रजातियाँ ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घास प्रजातियाँ, खस घास बीजअगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
---	---	--

672वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 25 अगस्त 2023

2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीट
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर